Printed Pages : 6

AEC-03

B.A./B.H.Sc. (Semester-I) Examination, July-Dec. 2024

(Session : 2024-25)

(NEP : 2020)

HINDI LANGUAGE

Time Allowed : Two Hours

Maximum Marks : 35

नोट : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

खण्ड–अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर का चयन कीजिए- [5×1=5]

Q.1. (i) 'भारत-वंदना' कविता में भारत माता के चरणों को कौन धोता है?

(अ) सागर का जल

(ब) नर्मदा नदी का जल

(स) यमुना नदी का जल

(द) गंगा नदी का जल

(ii) 'नयन' शब्द में संधि का कौन-सा प्रकार है?

(अ) गुण स्वर संधि

(ब) अयादि स्वर संधि

(स) व्यंजन संधि

(द) विसर्ग संधि

(iii) निम्न में से कौन-सा 'जल' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?

(अ) नीर

(ब) वारि

(स) पीयूष

(द) अम्बु

(iv) 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरे का अर्थ है-

(अ) स्वार्थ साधना

(ब) अपनी ही बात रटना

(स) मूर्ख होना

(द) अपनी हानि आप करना

(v) पारिभाषिक शब्द 'Tracer' का हिन्दी शब्द है-

(अ) पर्यवेक्षक

(ब) अनुरेखक

(स) महासचिव

(द) आर्थिक सलाहकार

खण्ड-ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। [5×2=10]

Q.1. महात्मा गांधी 'चोरी और प्रायश्चित' निबंध के माध्यम से समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं?

Q.2. उपसर्ग किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Q.3. निम्न समश्रुत शब्दों के अर्थ लिखिए-

(अ) पाहन-पाहुन

(ब) वदन-बदन

Q.4. लोकोक्ति को सोदाहरण समझाइए।

Q.5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए-

(अ) वृक्ष में फल लगे हैं।

(ब) उनकी आँखों की दृष्टि शून्य आकाश की ओर थी।

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित **सभी चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **5** अंक का है। [4×5=20]

Q.1. 'भारत-वंदना' कविता में भारत माता की छवि किस प्रकार अंकित की गयी है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचना 'भोलाराम का जीव' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

Q.2. 'संधि' की परिभाषा देते हुए स्वर संधि के प्रकारों को सोदाहरण समझाइए।

अथवा

'समास' किसे कहते हैं? तत्पुरुष समास के भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Q.3. पारिभाषिक शब्दावली से आप क्या समझते हैं? इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

शब्दों के उच्चारणगत और वर्तनीगत अशुद्धियों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Q.4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए-

(i) चन्द्रयान मिशनः भारत का अंतरिक्ष में बढ़ता कदम

(ii) भारत की नई शिक्षा नीति-अवसर एवं चुनौतियाँ

(iii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए सारांश लिखिए-

"मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण तभी होता है, जब उसकी स्वाभाविक प्रवृत्तियाँ एक लक्ष्य को दृष्टि में रखकर व्यवस्थित की जाती हैं। एक पूर्णतया नैतिक आदर्श के नेतृत्व में जब हम अपनी इच्छाओं को नियमित करते हैं, तभी चरित्र का निर्माण होता है। यह नियम या संयम किसी न किसी लक्ष्य की साधना में ही सम्भव है। न केवल यह कि लक्ष्य के बिना संयम का कुछ अर्थ ही नहीं, बल्कि यह भी सच है कि संयम की प्रेरणा भी लक्ष्य प्राप्त की इच्छा बिना नहीं मिलती। अनेक लहरों द्वारा खेतों को सींचने का लक्ष्य न हो तो नदी के बहते पानी को बाँधने की आवश्यकता ही नहीं होती। केवल मनोरंजन के लिए कोई पानी को नहीं बाँधता। यदि बाँधे तो भी उस अवस्था में मनोरंजन का लक्ष्य होता ही है। सम्भव है, मनुष्य के लक्ष्य का नैतिक मूल्य बहुत थोड़ा हो। यह भी मुमकिन है कि वह निश्चित ही स्वार्थपूर्ण और संकीर्ण हो। वह कैसा भी हो, नैतिक दृष्टि से वह भले ही निष्प्रयोजन और व्यर्थ हो, किन्तु हमारी स्वाभाविक प्रवृत्तियों के लिए उसका मनोवैज्ञानिक मूल्य तो बना रहेगा। यही लक्ष्य हमारी शक्तियों का, मन के संकल्पों और शरीर के प्रयत्नों का पथ-प्रदर्शन करेगा। यही लक्ष्य मनुष्यों के व्यक्तित्व को बनाता है।

----X----